भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1037
उत्तर देने की तारीख 02 दिसंबर, 2024
11 अग्रहायण, 1946 (शक)

पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना

1037. श्री देवुसिंह चौहान:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

गुजरात सहित सम्पूर्ण देश में पारंपरिक और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने हेतु क्या पहलें की गई हैं?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने और उनकी प्रतियोगिताएं आयोजित करने सहित खेलों के विकास की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। केंद्र सरकार केवल महत्वपूर्ण कमियों को दूर कर उनके प्रयासों में सहायता करती है। तथापि, खेलो इंडिया स्कीम का उप-घटक' ग्रामीण और देशज/जनजातीय खेलों को बढ़ावा' विशेष रूप से गुजरात राज्य सहित देश भर में ग्रामीण और देशज/जनजातीय खेलों के विकास और संवर्धन के लिए समर्पित है। इस घटक के तहत संवर्धन के लिए देशज/पारंपरिक खेलों में मल्लखंब, कलारिपयट्टू, गतका, थांग-ता, योगासन और सिलंबम को चयनित किया गया है और ये खेल वार्षिक रूप से आयोजित किए जाने वाले खेलो इंडिया विश्वविद्यालय/यूथ गेम्स का हिस्सा हैं। इस घटक के तहत अवसंरचना के विकास, उपकरण सहायता, कोचों की नियुक्ति, कोचों के प्रशिक्षण और चिन्हित किए गए एथलीटों को छात्रवृत्ति के लिए अनुदान मंजूर किए जाते हैं।

*****